भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2401

जिसका उत्तर दिनांक 24.03.2022 को दिया जाना है

विद्युत उत्पादन के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग

2401 श्री विवेक के. तन्खा :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नाभिकीय ऊर्जा का उपयोग करके उत्पादित विद्युत की वर्तमान क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वर्तमान परमाणु ऊर्जा को ताप विद्युत के विकल्प के रूप में बढ़ाए जाने की कोई नीति है; और

(ग) सरकार की आगामी दस वर्षों में विभिन्न ऊर्जा स्रोतों (नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय दोनों) का उपयोग करके भारत की ऊर्जा संबंधी मांगों को पूरा करने की क्या योजना है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) वर्तमान में देश में संस्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता, 22 प्रचालनरत नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों को मिलाकर 6780 मेगावाट है । इसके अतिरिक्त, एक रिएक्टर केएपीपी-3 (700 मेगावाट) को जनवरी 2021 को ग्रिड से जोड़ दिया गया है ।

(ख) भारत जीवाश्म ईंधन संसाधनों में बहुत समृद्ध नहीं है और ऊर्जा की वृहत् और बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए, सभी ऊर्जा स्रोतों को इष्टतम रूप से परिनियोजित किया जाता है । नाभिकीय ऊर्जा विद्युत उत्पादन का स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल आधार भार स्रोत है जो 24X7 उपलब्ध है । इसमें विशाल क्षमता है और यह देश को संधारणीय तरीके से दीर्घकालीन ऊर्जा सुरक्षा प्रदान कर सकती है । नाभिकीय विद्युत क्षमता का विस्तार शुद्ध शून्य अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पूरा करने के लिए देश के ऊर्जा परिवर्तन में सहायता करेगा ।

(ग) "माननीय प्रधानमंत्री ने ग्लासगो में आयोजित सीओपी26 शिखर सम्मेलन में अपने वक्तव्य में कहा है कि भारत की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट पहुंच जाएंगी और भारत वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत पूरा करेगा ।"

इस संबंध में, 2019-2020 से 2029-30 की अवधि के दौरान क्षमता संवर्धन हेतु कुल 30000 मेगावाट (इसमें 8700 मेगावाट की 11 पंपित भंडारण योजनाएं शामिल हैं) से अधिक की क्षमता वाली 79 जल विद्युत योजनाओं की परिकल्पना की गई है । इसमें इस अवधि के दौरान लाभ पहुंचाने के लिए निर्माणाधीन 12663.5 मेगावाट जल विद्युत परियोजनाएं शामिल हैं । उपरोक्त 79 परियोजनाओं में से, 1023 मेगावाट क्षमता की 5 जल विद्युत योजनाएं कमीशनन हो गई है । 6780 मेगावाट की मौजूदा नाभिकीय विद्युत क्षमता, निर्माणाधीन और मंजूरी प्राप्त परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर वर्ष 2031 तक 22480 मेगावाट तक बढ़ जाएगी । भविष्य में अधिक नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की योजना बनाई गई है । इसी प्रकार कोयला आधारित 31665 मेगावाट की कुल क्षमता, निर्माण के विभिन्न चरणों में है ।

* * * * *